http://krishipravahika.vitalbiotech.org/

कृषि प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

e-ISSN: 2583 – 0430

कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका, (2026) वर्ष 6, अंक 7, 80-81

Article ID:631

बेलीय अपराजिता का भू–दृश्यात्मक महत्व

खिरोमणी नाग

उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, रामानुजगंज

*अनुरूपी लेखक

खिरोमणी नाग*

Clitoria ternatea एक बेल है जिसे आमतौर पर बोल–चाल की भाषा में अपराजिता कहते है। तथा अन्य नामों में इसे ''**बटरफ्लाई पी**'' के नाम से भी जाना जाता है। ये बेल भू–दृश्यीकरण में एक बेहद लोकप्रिय और तेजी से बढने वाली तेज, चमकीले नीले और सफेद फूलों के लिए जानी जाती है। उद्यानों मे प्राकृतिक सुंदरता, हरियाली और आकर्षक रंग–बिखरने में अपनी कलात्मक रूप छोडने में कोई कसूर नही छोडती है। जिसके कारण इनका उपयोग वर्टिकल उद्यानों और ट्रैलिस में इसकी पतली बेलें 10–14 फीट तक आसानी से बढ जाती है। जिसकी वजह से इन्हें मेहराब, बालकनियों को ढकने, दीवारों को ढकने के लिए एवं लिविंग स्क्रीन के रूप में किया जाता है। अपराजित को भू–दृश्यीकरण के रूप में बढ़नें दिया जाये तो ये बेल भूमि सतह पर तेजी से फैलकर अच्छादन के रूप में घने हरे रंग का आवरण बन जाता है। यह बेल मनुष्यों के अच्छे ऊर्जा के प्रतीक के रूप में शुभ माना जाता है। इसलिए इन्हें अनेकों उद्यानों के भू–दृश्यीकरण के लिए लगाया जाता है जैसे – कॉटेज और बच्चों के उद्यानों में अपराजिता को एक थीम के रूप में लगाते हैं जिससे ये उद्यानों को एक जीवंत दृश्य देते है। बटरफ्लाई पी की ये जीवंत फूल विभिन्न प्रकार के परागण कीट जैसे – तितलियों और मधुमक्खियों को अपनें भ्रमण रूपी रंगों से मंत्र मुग्ध कर आकर्षित करने में अपना अहम् भूमिका निभाते हैं। ये मोहित तितलियां एवं भौरें उद्यानों के वातावरण को अनूकूल परिदृश्य बनाने के लिए भी बहूत उपयोगी होते है। इसके इसी विशेषताओं से घरेलू उद्यानों एवं सजावटी जगहों में उगायी जाती है।

अपराजिता फूल एवं पौधे के उपयोगः–

इस फलीदार बेल वाली फूलों का उपयोग खाने के साथ–साथ हर्बल चाय बनाने एवं खाद्य रंगो के लिए भी किया जाता है तथा फलीदार फूल पौधे होने के कारण इनके जड़ों में नाइट्रोजन स्थिरीकरण करने वाले बैक्टीरिया भी मौजूद रहते है जिसकी वजह से वायुमण्डलीय नाइट्रोजन स्थिरीकरण करके मृदा उर्वता को उर्वर करती है। यह बेलनुमा पौधे को पार्को में, आवासीय स्थलों में, घनी पत्तियां होने से इस चमकीले फूल को कम देख–रेख की आवष्यकता होने के कारण भू–दृश्यीकरण में बहु–उपयोगी सिद्ध होती हैं।

भू–दृश्यात्मक महत्वः–

अपराजिता लता वाली एक बेलनुमा सजावटीय पुष्पीय पौधा हैं। जिसके आकर्षक इकहरे नीले और सफेद फूलो के कारण इसे लॉन की सजावट में उपयोग किया जाता है। इसके अलावा इसे प्रवेश द्वार, ट्रैलिस या मेहराब बनाने के लिए एवं भद्दी स्थल को छिपाकर भू–दृश्य किया जाता है। ये बेलवर्गीय पौधे को भूमि सतह में लगाने पर तेजी से फैलते हैं इसलिए अच्छादन के रूप में घने हरे रंग का आवरण बनाने के लिए उपयोगी है।

चित्र क्र. 1 अपराजिता फल्ली

चित्र क्र. 2 अपराजिता फूल

प्रवर्धन विधियां:–

अपराजिता की व्यवसायिक प्रवर्धन लंबे फल्ली से निकले काले बीजों के द्वारा किया जाता है। इसके लिए सूखे तुडाई किये फली के बीज को मई एवं जूलाई माह में सीधे मिट्टी में जिन स्थलों में लगाना चाहते हैं बो दें। बीज बोने के 8 से 10 दिन में अंकुरित हो जाते है तथा नर्सरी पात्र में भी अपनी सुविधानुसार पौध तैयार कर पार्को, आवासीय स्थलों, प्रवेश द्वार व वर्टिकल उद्यानों में भू–दृश्यीकरण के लिए लगाया जा सकता है।

निष्कर्ष:–

इस अलंकृत बेलीय पौधे को बहुउपयोगी होने की वजह से सभी जगह सजावट के लिए बड़ी ही आसानी से लगाया जा सकता है। क्योंकि यह कम देखरेख में लगाया जा सकता है। इसलिए प्रत्येक उद्यानों में इसे घने हरे रंग का आवरण के बनाने के लिए लगाया जाना चाहिए।